॥ श्रीश्रीगुरु-गौराङ्गौ जयतः ॥

वैष्णव-व्रतोत्सव-तालिका

मथुरा-वृन्दावन (अक्षांश—२७°३०' उत्तर और रेखांश—७७°४१' पूर्व) के लिए गणित

विक्रम सम्वत् २०७९ श्रीगौराब्द ५३६ ई॰ २०२२-२०२३

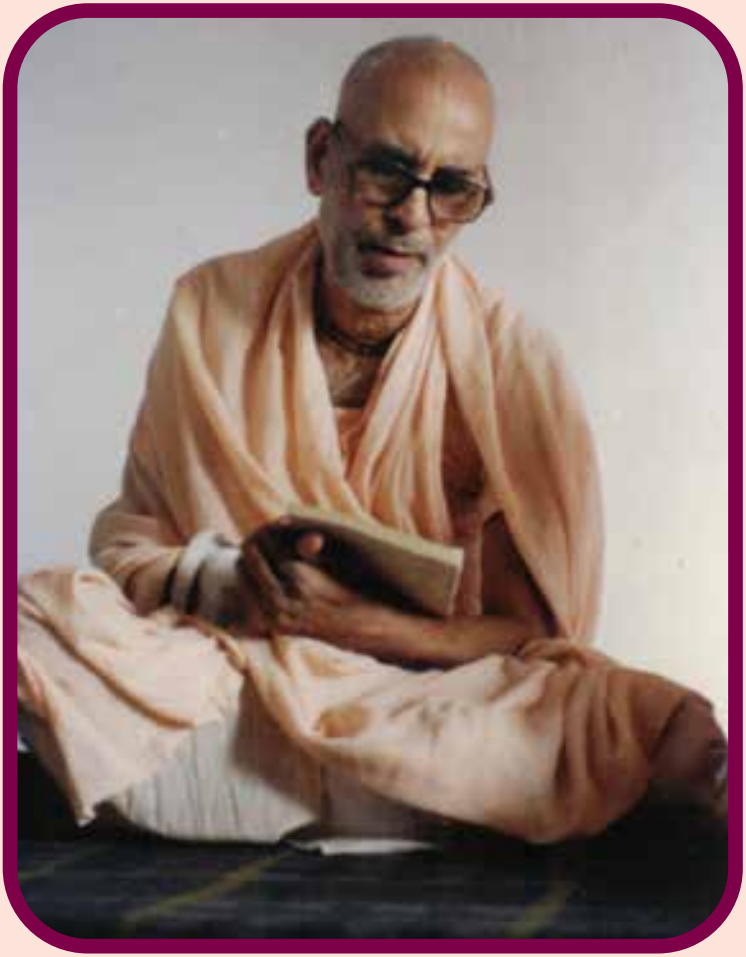

नित्यलीलाप्रविष्ट ॐ विष्णुपाद अष्टोत्तरशतश्री

श्रीमद्भक्तिवेदान्त नारायण गोस्वामी महाराजके

आदेश-निर्देशानुसार उनके चरणाश्रितजनों

द्वारा सम्पादित

॥ श्रीश्रीगुरु-गौराङ्गौ जयतः ॥

'श्रीहरिभक्तिविलास' नामक वैष्णवस्मृति द्वारा सम्मत
तथा
सूर्यसिद्धान्तके अनुसार गणित 'विशुद्ध-सारस्वत श्रीचैतन्य-पञ्जिका' (नवद्वीप)
पर आधारित

वैष्णव-व्रतोत्सव-तालिका

मथुरा-वृन्दावन (अक्षांश-२७°३०' उत्तर और रेखांश-७७°४१' पूर्व) के लिए गणित

श्रीगौराब्द	५३६	**ई॰**	२०२२-२०२३
विक्रम सम्वत्	२०७९	**भारतीयाब्द (शकाब्द)**	१९४४

श्रीकृष्णचैतन्याम्नाय दशमाधस्तनवर
श्रीगौड़ीयाचार्य-केशरी
नित्यलीलाप्रविष्ट ॐ विष्णुपाद अष्टोत्तरशतश्री
श्रीमद्भक्तिप्रज्ञान केशव गोस्वामी महाराजके
अनुगृहीत

नित्यलीलाप्रविष्ट ॐ विष्णुपाद अष्टोत्तरशतश्री
श्रीमद्भक्तिवेदान्त नारायण गोस्वामी महाराजके
आदेश-निर्देशानुसार उनके चरणाश्रितजनों
द्वारा सम्पादित

गौड़ीय वेदान्त प्रकाशन

[नित्यलीलाप्रविष्ट ॐ विष्णुपाद अष्टोत्तरशतश्री श्रीमद्भक्तिप्रज्ञान केशव गोस्वामी महाराज एवं श्रीश्रीमद्भक्तिवेदान्त त्रिविक्रम गोस्वामी महाराजके द्वारा लिखित बङ्गला पञ्जिकाकी भूमिकाके आधारपर]

भूमिका

श्रीश्रील गुरुदेव नित्यलीलाप्रविष्ट ॐ विष्णुपाद अष्टोत्तरशतश्री श्रीमद्भक्तिवेदान्त नारायण गोस्वामी महाराजकी अहैतुकी अनुकम्पा, प्रेरणा और उनके आदेश-निर्देशके अनुसार हम इस वैष्णव-व्रतोत्सव-तालिकाको प्रस्तुत करनेमें समर्थ हुए हैं। यह तालिका श्रीकृष्ण-चैतन्यदेवके एकान्त अनुगत रूपानुग-वैष्णवोंके द्वारा पालन किए जानेवाले विशुद्ध-सिद्धान्तों एवं आचारकी प्रचारक है। जगद्गुरु ॐ विष्णुपाद अष्टोत्तरशतश्री श्रीमद्भक्तिसिद्धान्त सरस्वती ठाकुर प्रभुपादकी विचारधाराको लेकर ही यह व्रतोत्सव-तालिका सङ्कलित हुई है।

इस तालिकामें लिखित समस्त व्रतोपवास ही 'श्रीहरिभक्तिविलास' के मतानुसार हैं। वैष्णव-महाजनोंके आविर्भाव-तिरोभाव, यात्रा-महोत्सव, एकादशी आदि हरिवासर, चातुर्मास्य और ऊर्जाव्रत आदि समस्त व्रतोपवासोंमें ही विद्धा विचार करना एकान्त कर्त्तव्य है। श्रीहरिभक्तिविलासमें कहा गया है—"पूर्वविद्धा सदा त्याज्या, परविद्धा सदा ग्राह्या अर्थात् पूर्वविद्धा तिथि सर्वदा त्याग करने योग्य है तथा परविद्धा तिथि सर्वदा ग्रहण करने योग्य है।" उक्त विचारके अनुसार इस व्रतोत्सव-तालिकाको यथासम्भव निर्भूल प्रस्तुत करनेका प्रयत्न किया गया है।

जगद्गुरु श्रील प्रभुपाद श्रीश्रीमद्भक्तिसिद्धान्त सरस्वती गोस्वामी ठाकुरके द्वारा अनुसृत एवं स्वीकृत प्राचीन गणना-पद्धति 'सूर्यसिद्धान्त' के अनुसार ही इस वैष्णव-व्रतोत्सव-तालिकाके समस्त व्रतादि विषयोंकी गणना की जाती है। अतएव इस व्रत-तालिकामें आधुनिक 'दृक्-सिद्धान्त' के अनुसार गणित पञ्जिकाओंसे किसी-किसी स्थान पर व्रतदिवसके सम्बन्धमें भिन्नता रह सकती है। पुनः स्मार्त्त मतके अनुसार की गयी गणनासे भी भिन्नता रहना सम्भव है।

इसके अतिरिक्त भारतके पूर्वाञ्चल और पश्चिमाञ्चलमें सूर्योदयके समयमें अन्तर हेतु शास्त्रके विचारानुसार ही किसी-किसी एकादशी-व्रतके क्षेत्रमें व्रतदिवसमें भिन्नता घटती है। जिन पञ्जिकाओंमें भारतके पश्चिमाञ्चलमें सूर्योदयके अनुसार व्रत-दिवसोंकी गणना प्रदर्शित नहीं हुई, उन पञ्जिकाओंके साथ भी कुछेक व्रत-दिवसोंकी भिन्नता रहना सम्भव है। अतः भक्तजनों एवं व्रतोत्सव पालनकारी सज्जनोंसे अनुरोध है कि वे इन सब स्थलोंपर विचलित न हों।

शुद्ध-वैष्णवगण इस व्रतोपवास-तालिकाके विधानके अनुसार यात्रा-महोत्सव और व्रतोपवासादिका पालन कर हमारे प्रति कृपा-आशीर्वाद करें—यही उनके श्रीचरणोंमें प्रार्थना है।

विशेष द्रष्टव्य

- इस व्रतोत्सव-तालिकामें तिथियोंका निर्णय गौड़ीय-वैष्णव (गोस्वामी) मतानुसार किया गया है। इस मतानुसार सूर्योदयके समय जो तिथि रहती है, वही तिथि सम्पूर्ण दिनके लिए मान्य होती है। किन्तु एकादशी-तिथिमें अरुणोदय कालमें (सूर्योदयसे प्रायः १ घन्टा ३६ मिनट पहले) यदि दशमी-तिथिका अवस्थान हो तो वह एकादशी-तिथि दशमी-विद्धा होनेके कारण व्रतके लिए अनुपयुक्त होगी, ऐसी स्थितिमें अगले दिन ही शुद्धा-एकादशीका व्रत-पालन होगा।
- श्रीमद्भागवतके नवम-स्कन्धमें वर्णित शुद्धभक्त श्रीअम्बरीष महाराजके उपाख्यानसे यह जाना जाता है कि एकादशी-व्रतके अगले दिन निर्धारित समयपर व्रत नहीं खोलनेसे व्रत फलहीन हो जाता है। अतः निर्धारित समय पर ही एकादशी-व्रतका पारण करके व्रत खोलना चाहिए। इसी उद्देश्यसे इस व्रत-तालिकामें व्रतके अगले दिन व्रतके पारणका समय लिखा गया है।
- श्रीचैतन्य महाप्रभुके परिकरों एवं भक्तोंकी आविर्भाव और तिरोभाव तिथि-पूजाके समय उन-उन भक्तोंके पावन चरित्ररूपी अमृतके आस्वादन अर्थात् श्रवण और कीर्त्तनका सौभाग्य प्राप्त करके श्रीगुरुपदाश्रित साधक शुद्ध-भजन-साधनके मार्गमें अग्रसर होनेकी प्रेरणा प्राप्त कर सकते हैं।
- इस चान्द्रवर्षमें १ मई २०२२को लगनेवाले खण्डग्रास सूर्यग्रहणके तथा १६ मई २०२२को लगनेवाले पूर्णग्रास चन्द्रग्रहणके भारतवर्षमें दृश्य नहीं होनेके कारण भारतवर्षमें इन दोनों ग्रहणोंकी मान्यता नहीं होगी तथा धार्मिक दृष्टिसे सूतक, वेध, यम, नियम, जप-अनुष्ठान, स्नान, दानादि पर्व पुण्यादिकी मान्यता भी नहीं होगी। इसके अतिरिक्त २५ अक्टूबर २०२२को लगनेवाले खण्डग्रास सूर्यग्रहणके तथा ८ नवम्बर २०२२ को लगनेवाले पूर्णग्रास चन्द्रग्रहणके भारतवर्षमें दृश्य होनेके कारण भारतवर्षमें इन दोनों ग्रहणोंकी मान्यता होगी
- "स्मार्त्त मतके अनुसार ग्रहणका समय अशुद्ध काल है। अशुद्ध अवस्थामें जो समस्त कार्य स्मार्त्त लोगोंको नहीं करने होते, वे लोग ग्रहणके समय भी वह सब कार्य नहीं करते। किन्तु सेवा-परायण वैध-भक्तोंके लिए इन समस्त प्राकृत विधियों की अपेक्षा न कर सम्भव होनेपर यथाकाल (भगवत्) सेवा करना ही कर्त्तव्य है।"

  —श्रील प्रभुपाद श्रीश्रीमद्भक्तिसिद्धान्त सरस्वती ठाकुरकी पत्रावली
- संक्रान्तिका अर्थ है, 'सूर्यका एक राशिसे अगली राशिमें संक्रमण(गमन)'। अतएव सम्पूर्ण वर्षमें कुल १२ संक्रान्तियाँ होती हैं। आन्ध्र प्रदेश, तेलङ्गाना, कर्नाटक, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, केरल, उडीसा, पंजाब, गुजरात, मिथिला (बिहार) और नेपालमें संक्रान्तिके दिनसे ही सौरमासका आरम्भ होता है। इस व्रत-तालिकामें भी संक्रान्तिके दिनसे ही सौरमासका आरम्भ स्वीकृत हुआ है। किन्तु बङ्गाल और असममें संक्रान्तिका दिन महीनेका अन्तिम दिन माना जाता है और संक्रान्तिके अगले दिनसे सौरमासका आरम्भ होता है। (Wikipedia)

एकादशी-व्रतके पारणका नियम

यदि एकादशी-व्रतका पालन निर्जला किया हो, तो चरणामृत द्वारा पारण करें, फलाहार किया हो तो अन्न-प्रसादके द्वारा पारण करें। भगवान् श्रीजगन्नाथके अन्न-महाप्रसादके द्वारा व्रतका पारण करना सर्वश्रेष्ठ है। नियमित समय पर पारण करनेसे ही एकादशीका व्रत सम्पूर्ण होता है। महाद्वादशीका व्रत उपस्थित होनेपर एकादशी तिथिके दिन व्रतका पालन न करके महाद्वादशी तिथिके दिन ही व्रतको पालन करनेका नियम है।

एकादशी एवं अन्य भगवदवतारोंके व्रतके लिए निषिद्ध खाद्य पदार्थ

- टमाटर, बैंगन, फूल गोभी, शिमला मिर्च, मटर, चना, सब प्रकारकी सेम, लोबिया, राजमा इत्यादि एवं उनसे बने पदार्थ जैसे पापड़, सोयाबीनकी दही, सोयाबीनका दूध इत्यादि।
- करेला, चुकन्दर, लौकी, परमल, तोरई, सेम, डन्ठल, भिंडी, केलेका फूल।
- सभी प्रकारकी पत्तेवाली सब्जियाँ—पालक, सलाद, पत्ता गोभी, कड़ी पत्ता, नीम पत्ता इत्यादि।
- अन्न जातीय—बाजरा, जौं, सूजी, दलिया, चावल, श्यामा चावल, मक्का, सभी प्रकारकी दालें एवं अन्न, साबुदाना, गेहूँका आटा एवं समस्त प्रकारके अन्न जातीय आटे जैसे चावलका आटा, चनेका आटा, उड़दकी दालका आटा इत्यादि।
- मक्का या अन्नका माड़ तथा उनसे बनी या मिश्रित वस्तुएँ जैसे—बेकिंग सोडा, बेकिंग पाउडर, कस्टर्ड, केक, हलवा, क्रीम, मिठाई, साबु-दाना इत्यादि।
- अन्न जातीय तेल जैसे मक्का तेल, सरसोंका तेल, तिलका तेल इत्यादि तथा इनमें तले हुए पदार्थ, जैसे मूंगफली, काजु, आलूके चिप्स इत्यादि।
- शहद।

एकादशीमें व्यवहार किये जानेवाले मसाले

- हल्दी, काली मिर्च, अदरक तथा शुद्ध नमक (जो अन्य दिनोंमें व्यवहृत न किया गया हो या नया पैकेट)

निषिद्ध मसाले

- तिल, जीरा, हींग, लाल मिर्च, हरी मिर्च, मेंथी, सरसों, इमली, सौंफ, खसखस, कलौंज, अजवाइन, इलायची, जायफल, लौंग इत्यादि।

समस्त व्रतोंमें व्यवहार किये जानेवाले खाद्य पदार्थ

- समस्त प्रकारके ताजे फल तथा मेवे तथा मेवोंसे बने तेल। आलू, कद्दू (पेठा), खीरा, कच्चा पपीता, नीम्बू, कटहल, जैतुन, नारियल।
- शुद्ध दूध एवं दूधसे बने पदार्थ।

चातुर्मास्यके समय निषिद्ध पदार्थ

- टमाटर, चुकन्दर, बैंगन, सेम, लोबिया, लौकी, परमल, उड़द दाल, सोया, राजमा, पापड़ एवं शहद। **प्रथम मास**—हरे पत्तेवाली सब्जियाँ, साग; **द्वितीय मास**—दहीं; **तृतीय मास**—दूध; तथा **चतुर्थ मासमें** सरसोंका तेल इत्यादि निषिद्ध हैं।

ग्रहणके समयमें ध्यान देने योग्य बातें

- श्रीभगवान्‌का नाम-सङ्कीर्त्तन करते हुए ग्रहणके समयको व्यतीत करें। ग्रहणके समय रन्धन, आहार-निद्रा निषिद्ध है। मल-मूत्र त्यागको यथासम्भव रोकें।

यात्राके सम्बन्धमें कुछ विचार

- **यात्रामें शुभ-अशुभ तिथि**—कृष्ण एवं शुक्ल दोनों पक्षोंकी षष्ठी, अष्टमी, द्वादशी, पूर्णिमा एवं अमावस्या यात्राके लिए अशुभ हैं। शुक्ल प्रतिपद, रिक्ता-तिथि(दोनों पक्षोंकी चतुर्थी, नवमी और चतुर्दशी), अवम्(क्षय-तिथि) और त्रिस्पर्श (वृद्धि-तिथि)के दिन भी यात्रा निषिद्ध है।

  कृष्ण-प्रतिपदको यात्रा शुभ, **द्वितीय**को पथ शुभ, **तृतीया**को जय, **चतुर्थी**को वध, बन्धन और क्लेश, **पञ्चमी**को अभीष्ट-सिद्धि, **षष्ठी**को व्याधि, **सप्तमी**को अर्थलाभ, **अष्टमी**को मन-पीड़ा, **नवमी**को मृत्यु(या अपयश और अपमानरूपी मृत्यु), **दशमी**को भूमिलाभ, **एकादशी**को आरोग्य, **द्वादशी**को यात्रा निषिद्ध, **त्रयोदशी**को सर्वसिद्धि, **चतुर्दशी, अमावस्या और पूर्णिमा**को यात्रा निषिद्ध तथा **यम-द्वितीया** यात्राके लिए अशुभ है।

  यदि अशुभ एवं निषिद्ध तिथिके दिन यात्रा अत्यावश्यक हो, तो ऐसी तिथियोंमें निम्नलिखित उत्तम और मध्यम नक्षत्रकालके विद्यमान रहनेपर उनमें यात्रा करना उचित है।
- **यात्राके उत्तम नक्षत्र**—अश्विनी, हस्ता, पुष्या, अनुराधा, पुनर्वसु, रेवती, श्रवणा, धनिष्ठा और मृगशिरा नक्षत्रमें यात्रा उत्तम मानी जाती है। **यात्राके मध्यम नक्षत्र**—ज्येष्ठा, मूला, शतभिषा, उत्तरफाल्गुनी, उत्तराषाढ़ा, उत्तरभाद्रपद, रोहिणी, पूर्वफाल्गुनी, पूर्वाषाढ़ा और पूर्वभाद्रपद नक्षत्रमें यात्रा मध्यम मानी जाती है। **यात्राके निषिद्ध नक्षत्र**—चित्रा, स्वाती, भरणी, विशाखा, मघा, आर्द्रा, कृत्तिका और अश्लेषा नक्षत्रमें यात्रा निषिद्ध है।
- समय-प्रदीपमें वर्णन है कि यात्राभिलाषी व्यक्ति यात्राकालमें बछड़े सहित गाय, बैल, हाथी, अश्व, दक्षिणावर्त्त अग्नि, दिव्यस्त्री, पूर्णकुम्भ, द्विज (ब्राह्मण), पुष्पमाला, पताका, घी, दही, शहद, चाँदी, सोना और शुक्ल-धान्य(सफेद चावल)का दर्शन करनेसे शुभफल प्राप्त करते हैं।

विष्णु—चैत्र

ई॰ २०२२

श्रीगौराब्द-५३६ एवं विक्रम सम्वत्-२०७९ पूर्णिमान्त मास

पक्ष तिथि	दिनांक मास	वार	व्रत और उत्सव
कृ. ०१	**१९ मार्च**	**शनि**	**पूर्णिमान्त श्रीगौराब्द-५३६ एवं विक्रम सम्वत्-२०७९ वर्ष आरम्भ।**
कृ. ०८	**२५ मार्च**	**शुक्र**	**श्रील श्रीवास पण्डितका आविर्भाव।**
कृ. ११	**२८ मार्च**	**सोम**	**पापमोचनी एकादशी व्रतोपवास।** (अगले दिन सूर्योदयके बाद १०-१८ से पहले पारण। द्वादशी—सोमवार अपराह्न ४-१८से मङ्गलवार दोपहर २-३४ तक; तुलसी चयन निषेध।)
कृ. १२	**२९ मार्च**	**मङ्गल**	**श्रील गोविन्द घोष ठाकुरका तिरोभाव।**
कृ. १५	१ अप्रैल	शुक्र	अमावस्या। अमान्त विक्रम सम्वत् २०७८ समाप्त।
शु. ०१	२ अप्रैल	शनि	अमान्त विक्रम सम्वत् २०७९ चान्द्रवर्ष आरम्भ।
शु. ०५	**६ अप्रैल**	**बुध**	**श्रील रामानुजाचार्यका आविर्भाव।** श्रील प्रभुपाद-पार्षद श्रीश्रीमद्भक्तिहृदय वन गोस्वामी महाराजका आविर्भाव।
शु. ०७	८ अप्रैल	शुक्र	श्रील प्रभुपाद-पार्षद श्रीश्रीमद्भक्तिविलास तीर्थ गोस्वामी महाराजका आविर्भाव।
शु. ०९	**१० अप्रैल**	**रवि**	**श्रीरामनवमी व्रतोपवास।** श्रीश्रीमद्भक्तिवल्लभ तीर्थ गोस्वामी महाराजका आविर्भाव। (अगले दिन सूर्योदयके बाद और १०-१० से पहले पारण)
शु. ११	**१२ अप्रैल**	**मङ्गल**	**कामदा एकादशी व्रतोपवास।** (अगले दिन ८-३५के बाद और १०-०८से पहले पारण। द्वादशी—मङ्गलवार रात्रि २-२९से बुधवार रात्रि २-४८तक; तुलसी चयन निषेध।)
शु. १२	१३ अप्रैल	बुध	श्रीकृष्णका दमनकरोपण उत्सव।
शु. १३	**१४ अप्रैल**	**बृह.**	**श्रीकेशव-व्रत आरम्भ। एक मासके लिए शालग्राम शिला एवं तुलसीमें जलधारा दान आरम्भ।** मेष-संक्रान्ति। सौर नववर्ष वैशाख-मास आरम्भ।
शु. ३०	**१६ अप्रैल**	**शनि**	**पूर्णिमा। श्रीबलदेव प्रभुकी रासयात्रा, श्रीकृष्णकी वसन्त रासयात्रा। श्रील वंशीवदनानन्द गोस्वामी और श्रील श्यामानन्द प्रभुका आविर्भाव।**

मधुसूदन—वैशाख

ई॰ २०२२

श्रीगौराब्द-५३६ एवं विक्रम सम्वत्-२०७९ पूर्णिमान्त मास

पक्ष तिथि	दिनांक मास	वार	व्रत और उत्सव
कृ. ०६	२२ अप्रैल	शुक्र	श्रील प्रभुपाद-पार्षद श्रीश्रीमद्भक्तिकुमुद सन्त गोस्वामी महाराजका आविर्भाव।
कृ. ०७	**२३ अप्रैल**	**शनि**	**श्रील अभिराम ठाकुरका तिरोभाव।**
कृ. १०	**२५ अप्रैल**	**सोम**	**श्रील वृन्दावन दास ठाकुरका तिरोभाव।** (पश्चिमाञ्चलमें दशमी शुद्धा हेतु) श्रीश्रीमद्भक्तिवल्लभ तीर्थ गोस्वामी महाराजका तिरोभाव।
कृ. ११	**२६ अप्रैल**	**मङ्गल**	**वरुथिनी एकादशी व्रतोपवास।** (अगले दिन प्रातः ८:१०के बाद और १०-०६से पहले पारण। द्वादशी—मङ्गलवार रात्रि २-१९से बुधवार रात्रि १-४३ तक; तुलसी चयन निषेध।)
कृ. १५	**३० अप्रैल**	**शनि**	**अमावस्या। श्रील गदाधर पण्डित प्रभुका आविर्भाव।** खण्डग्रास सूर्यग्रहण (भारतवर्षमें अदृश्य।)
शु. ०२	२ मई	सोम	श्रील प्रभुपाद-पार्षद श्रीश्रीमद्भक्तिविचार यायावर गोस्वामी महाराजका आविर्भाव
शु. ०३	**३ मई**	**मङ्गल**	**अक्षय-तृतीया। (उत्कल मतानुसार) श्रीश्रीजगन्नाथदेवकी चन्दन-यात्रा आरम्भ, श्रीबद्रीनारायणजीका द्वारोद्घाटन। श्रीगौड़ीय वेदान्त समितिका प्रतिष्ठा-दिवस।**
शु. ०९	**१० मई**	**मङ्गल**	**श्रीनित्यानन्दशक्ति श्रीजाह्नवादेवी तथा श्रीरामशक्ति श्रीसीतादेवीका आविर्भाव। श्रील मधु पण्डित प्रभुका तिरोभाव।**
शु. ११	**१२ मई**	**बृह.**	**मोहिनी एकादशी व्रतोपवास।** (अगले दिन सूर्योदयके बाद और दिन १०-०० से पहले पारण। द्वादशी—बृहस्पतिवार दोपहर ३-१७से शुक्रवार दोपहर २-३५ तक; तुलसी चयन निषेध।)
शु. १४	**१५ मई**	**रवि**	**श्रीनृसिंह-चतुर्दशी-व्रतोपवास। श्रीनृसिंहदेवका आविर्भाव। श्रीकेशव-व्रत समाप्त।** वृषभ-संक्रान्ति। सौर ज्येष्ठ-मास आरम्भ। (अगले दिन सूर्योदयके बाद दिन ९-४६से पहले पारण।)
शु. ३०	**१६ मई**	**सोम**	**पूर्णिमा। श्रील माधवेन्द्र पुरी गोस्वामी और श्रील श्रीनिवास आचार्य प्रभुका आविर्भाव। श्रील परमेश्वरी ठाकुरका तिरोभाव। श्रीराधारमणदेवजीकी प्राकट्य तिथि।** पूर्णग्रास चन्द्रग्रहण (भारतवर्षमें अदृश्य।)

त्रिविक्रम—ज्येष्ठ

ई॰ २०२२

श्रीगौराब्द-५३६ एवं विक्रम सम्वत्-२०७९ पूर्णिमान्त मास

पक्ष तिथि	दिनांक मास	वार	व्रत और उत्सव
कृ. ०१	१७ मई	मङ्गल	श्रील प्रभुपाद-पार्षद श्रीश्रीमद्भक्तिसारङ्ग गोस्वामी महाराजका तिरोभाव
कृ. ०५	**२० मई**	**शुक्र**	**श्रीगौर-पार्षद श्रील रायरामानन्द प्रभुका तिरोभाव।**
कृ. ११	**२६ मई**	**बृह.**	**अपरा एकादशी व्रतोपवास।** (अगले दिन सूर्योदयके बाद और १०-०० बजेसे पहले पारण। द्वादशी—बृहस्पतिवार दिन १-०५से शुक्रवार दिन १-०२ तक; तुलसी चयन निषेध।)
कृ. १२	**२७ मई**	**शुक्र**	**श्रील वृन्दावन दास ठाकुरका आविर्भाव।**
कृ. १५	३० मई	सोम	अमावस्या।
शु. ०९	**८ जून**	**बुध**	**श्रील बलदेव विद्याभूषण प्रभुका तिरोभाव।**
शु. १०	**९ जून**	**बृह.**	**श्रीगङ्गादेवीका आविर्भाव। गङ्गा दशहरा, श्रीगङ्गापूजा। श्रीगङ्गामाता गोस्वामिनीका तिरोभाव।**
शु. ११	**१० जून**	**शुक्र**	**पाण्डवा निर्जला एकादशी व्रतोपवास।** (अगले दिन प्रातः ७-०८के बाद और १०-०० बजेसे पहले पारण। द्वादशी—शुक्रवार रात्रि १-३१से शनिवार रात्रि ११-५७ तक; तुलसी चयन निषेध।)
शु. १३	**१२ जून**	**रवि**	**श्रीपाट पाणिहाटीमें श्रील रघुनाथदास गोस्वामीका दण्ड(दही-चिड़वा)-महोत्सव।**
शु. ३०	**१४ जून**	**मङ्गल**	**पूर्णिमा। श्रीजगन्नाथदेवकी स्नानयात्रा। श्रील मुकुन्द दत्त और श्रील श्रीधर पण्डितका तिरोभाव।**

वामन—आषाढ़

ई॰ २०२२

श्रीगौराब्द-५३६ एवं विक्रम सम्वत्-२०७९ पूर्णिमान्त मास

पक्ष तिथि	दिनांक मास	वार	व्रत और उत्सव
कृ. ०१	**१५ जून**	**बुध**	**श्रील श्यामानन्द प्रभुका तिरोभाव।** (श्रीगोपीवल्लभपुरमें उत्सव।) मिथुन-संक्रान्ति। सौर आषाढ़-मास आरम्भ।
कृ. ०५	**१९ जून**	**रवि**	**श्रील वक्रेश्वर पण्डितका आविर्भाव।**
कृ. ०९	२२ जून	बुध	रात्रि ८-१९से अम्बुवाची प्रवृत्ति आरम्भ। (अम्बुवाची काल-अवधिमें भूमिको खोदना नहीं चाहिए)
कृ. १०	**२३ जून**	**बृह.**	**श्रील श्रीवास पण्डितका तिरोभाव।**
कृ. १२	**२५ जून**	**शनि**	**पक्षवर्द्धिनी महाद्वादशी व्रतोपवास।** (अगले दिन सूर्योदयके बाद और १०-०३से पहले पारण। द्वादशी—शुक्रवार रात्रि १-११से शनिवार रात्रि २-०६ तक; तुलसी चयन निषेध।)
कृ. १३	२६ जून	रवि	दिन ८-४३के बाद अम्बुवाची समाप्त।
कृ. १५	**२९ जून**	**बुध**	**अमावस्या। श्रीगौरशक्ति श्रील गदाधर पण्डित और श्रील सच्चिदानन्द भक्तिविनोद ठाकुरका तिरोभाव।**
शु. ०१	**३० जून**	**बृह.**	**श्रीजगन्नाथदेवके श्रीगुण्डिचा-मन्दिरका मार्जन।**
शु. ०२	**१ जुलाई**	**शुक्र**	**श्रीजगन्नाथदेवकी रथयात्रा (उत्कल मतसे)। श्रील स्वरूप दामोदर गोस्वामी और श्रील शिवानन्दसेनका तिरोभाव।**
शु. ०६	५ जुलाई	मङ्गल	हेरा-पञ्चमी (उत्कल मतानुसार)। श्रीलक्ष्मी-विजय।
शु. १०	९ जुलाई	शनि	**श्रीजगन्नाथदेवकी पुनर्यात्रा।** (उत्कल मतानुसार) श्रील प्रभुपाद-पार्षद श्रीश्रीमद्भक्तिकमल मधुसूदन गोस्वामी महाराजका तिरोभाव।
शु. ११	**१० जुलाई**	**रवि**	**शयन एकादशी व्रतोपवास। श्रीहरिशयन।** श्रीश्रीमद्भक्तिविज्ञान भारती गोस्वामी महाराजका आविर्भाव। (अगले दिन सूर्योदयके बाद और ७-४४से पहले पारण। द्वादशी—रविवार दिन ९-५२से सोमवार प्रातः ७-४४ तक; तुलसी चयन निषेध।)
शु. ३०	**१३ जुलाई**	**बुध**	**श्रीगुरु-पूर्णिमा, श्रीव्यासपूजा। श्रील सनातन गोस्वामी प्रभुका तिरोभाव। चातुर्मास्य-व्रत प्रारम्भ**—श्रावणमासमें शाक (हरे पत्ते), भाद्रमें दही, आश्विनमें दूध, कार्तिक-मासमें सरसोंके तेल इत्यादिका परित्याग।

श्रीधर—श्रावण

ई॰ २०२२

श्रीगौराब्द-५३६ एवं विक्रम सम्वत्-२०७९ पूर्णिमान्त मास

पक्ष तिथि	दिनांक मास	वार	व्रत और उत्सव
कृ. ०१	**१४ जुलाई**	**बृह.**	**श्रीगौर-पार्षद श्रील प्रबोधानन्द सरस्वती गोस्वामीका तिरोभाव।**
कृ. ०२	१५ जुलाई	शुक्र	श्रील प्रभुपाद-पार्षद श्रीश्रीमद्भक्तिहृदय वन गोस्वामी महाराज एवं श्रीश्रीमद्भक्तिसौरभ भक्तिसार गोस्वामी महाराजका तिरोभाव।
कृ. ०४	१७ जुलाई	रवि	कर्क-संक्रान्ति। सौर श्रावण-मास आरम्भ।
कृ. ०५	**१८ जुलाई**	**सोम**	**श्रील गोपालभट्ट गोस्वामी प्रभुका तिरोभाव।**
कृ ०८	**२१ जुलाई**	**बृह.**	**श्रीगौर-पार्षद श्रील लोकनाथ गोस्वामी प्रभुका तिरोभाव।**
कृ. ११	**२४ जुलाई**	**रवि**	**कामिका एकादशी व्रतोपवास।** (अगले दिन सूर्योदयके बाद और १०-१०से पहले पारण। द्वादशी—रविवार दोपहर २-५६से सोमवार अपराह्न ४-३६ तक; तुलसी चयन निषेध।)
कृ. १२	२५ जुलाई	सोम	श्रीमद्भक्तिवेदान्त तीर्थ महाराजका तिरोभाव
कृ. १५	२८ जुलाई	बृह.	अमावस्या। श्रील प्रभुपाद-पार्षद श्रीश्रीमद्भक्तिरक्षक श्रीधर गोस्वामी महाराजका तिरोभाव।
शु. ०४	**१ अगस्त**	**सोम**	**श्रील रघुनन्दन ठाकुर एवं श्रील वंशीदास बाबाजी महाराजका तिरोभाव।**
शु. ११	**८ अगस्त**	**सोम**	**पवित्रारोपणी एकादशी व्रतोपवास। श्रीश्रीराधा-गोविन्दकी झूलनयात्रा आरम्भ।** (अगले दिन सूर्योदयके बाद और १०-१२से पहले पारण। द्वादशी—सोमवार अपराह्न ५-१६से मङ्गलवार दिन २-५० तक; तुलसी चयन निषेध।)
शु. १२	**९ अगस्त**	**मङ्गल**	**श्रीकृष्णका पवित्रारोपण उत्सव। श्रील रूप गोस्वामी प्रभु, श्रील गौरीदास पण्डित और श्रील गोविन्ददास पण्डितका तिरोभाव। (श्रीरूप-सनातन गौड़ीय मठ, वृन्दावनमें श्रील रूप गोस्वामी प्रभुका त्रि-दिवसीय विरह-महोत्सव)।**
शु. ३०	**१२ अगस्त**	**शुक्र**	**श्रीबलदेव पूर्णिमा व्रतोपवास। श्रीबलदेव प्रभुका आविर्भाव। श्रीश्रीराधागोविन्दकी झूलन-यात्रा समाप्ति।** रक्षाबन्धन। (अगले दिन सूर्योदयके बाद और १०-१२ से पहले पारण।)

हृषीकेश—भाद्र

ई॰ २०२२

श्रीगौराब्द-५३६ एवं विक्रम सम्वत्-२०७९ पूर्णिमान्त मास

पक्ष तिथि	दिनांक मास	वार	व्रत और उत्सव
कृ. ०६	१७ अगस्त	बुध	सिहं-संक्रान्ति। सौर भाद्र-मास आरम्भ।
कृ. ०८	**१९ अगस्त**	**शुक्र**	**श्रीकृष्ण जन्माष्टमी व्रतोपवास।** (अगले दिन सूर्योदयके बाद और १०-१२ से पहले पारण।)
कृ. ०९	**२० अगस्त**	**शनि**	**श्रीनन्दोत्सव।** **श्रील प्रभुपाद-पार्षद इस्कॉन संस्थापक श्रीश्रीमद्भक्तिवेदान्त स्वामी महाराजका आविर्भाव।**
कृ. १२	**२३ अगस्त**	**मङ्गल**	**उन्मिलनी महाद्वादशी व्रतोपवास।** (अगले दिन सूर्योदयके बाद और ८-२१ से पहले पारण। द्वादशी—मङ्गलवार प्रातः ६-१८से बुधवार दिन ८-२१ तक; तुलसी चयन निषेध।)
कृ. १५	२७ अगस्त	शनि	अमावस्या।
शु. ०१	२८ अगस्त	रवि	श्रीश्रीमद्गौरगोविन्द महाराजका आविर्भाव।
शु. ०४	**३१ अगस्त**	**बुध**	**श्रीअद्वैतपत्नी श्रीसीतादेवीका आविर्भाव।**
शु. ०७	**३ सितम्बर**	**शनि**	**श्रीललिता-सप्तमी।**
शु. ०८	**४ सितम्बर**	**रवि**	**श्रीश्रीराधाष्टमी-व्रत।**
शु. १२	**७ सितम्बर**	**बुध**	**श्रवणा-महाद्वादशी व्रतोपवास। श्रीवामन द्वादशी। श्रीवामनदेवका आविर्भाव। श्रील जीव गोस्वामी प्रभुका आविर्भाव।** (अगले दिन प्रातः सूर्योदयके बाद और १०-१२से पहले पारण। द्वादशी—मङ्गलवार रात्रि १२-३७से बुधवार रात्रि १०-१२ तक; तुलसी चयन निषेध।)
शु. १३	**८ सितम्बर**	**बृह.**	**श्रील सच्चिदानन्द भक्तिविनोद ठाकुरका आविर्भाव।**
शु. १४	**९ सितम्बर**	**शुक्र**	**नामाचार्य श्रील हरिदास ठाकुरका निर्याण।** श्रीश्रीमद्भक्तिविज्ञान भारती गोस्वामी महाराजका तिरोभाव।
शु. ३०	१० सितम्बर	शनि	पूर्णिमा। **श्रीविश्वरूप-महोत्सव।** नित्यलीलाप्रविष्ट ॐ विष्णुपाद अष्टोत्तरशतश्री श्रीमद्भक्तिप्रज्ञान केशव गोस्वामी महाराज एवं श्रीश्रीमद्भक्तिवेदान्त स्वामी महाराजका संन्यास ग्रहण दिवस।

पद्मनाभ—आश्विन

ई॰ २०२२

श्रीगौराब्द-५३६ एवं विक्रम सम्वत्-२०७९ पूर्णिमान्त मास

पक्ष तिथि	दिनांक मास	वार	व्रत और उत्सव
कृ. ०२	१२ सितम्बर	सोम	श्रील प्रभुपाद-पार्षद श्रीश्रीमद्भक्तिविलास तीर्थ गोस्वामी महाराजका तिरोभाव।
कृ. ०६	१६ सितम्बर	शुक्र	श्रील प्रभुपाद-पार्षद श्रीश्रीमद्भक्तिश्रीरूप सिद्धान्ती गोस्वामी महाराजका तिरोभाव।
कृ. ०७	१७ सितम्बर	शनि	कन्या-संक्रान्ति। सौर आश्विन-मास आरम्भ।
कृ. ११	**२१ सितम्बर**	**बुध**	**इन्दिरा एकादशी व्रतोपवास।** (अगले दिन सूर्योदयके बाद १०-१० से पहले पारण। द्वादशी—बुधवार रात्रि १०-४७से बृहस्पतिवार रात्रि १२-३३ तक; तुलसी चयन निषेध।)
कृ. १५	२५ सितम्बर	रवि	अमावस्या।
शु. ०४	२९ सितम्बर	बृह.	श्रील प्रभुपाद-पार्षद श्रीश्रीमद्भक्तिप्रमोद पुरी गोस्वामी महाराजका आविर्भाव।
शु. १०	**५ अक्टूबर**	**बुध**	**विजय-दशमी। भगवान् श्रीरामचन्द्रजीका शुभ-विजय महोत्सव। जगद्गुरु श्रील मध्वाचार्यका आविर्भाव।**
शु. ११	**६ अक्टूबर**	**बृह.**	**पापाङ्कुशा एकादशी व्रतोपवास।** (अगले दिन सूर्योदयके बाद और ६-४९ से पहले पारण। द्वादशी—बृहस्पतिवार दिन ८-५४से शुक्रवार प्रातः ६-४९ तक; तुलसी चयन निषेध।)
शु. १२	**७ अक्टूबर**	**शुक्र**	**श्रील रघुनाथदास गोस्वामी, श्रील रघुनाथभट्ट गोस्वामी एवं श्रील कृष्णदास कविराज गोस्वामीका तिरोभाव।**
शु. ३०	**९ अक्टूबर**	**रवि**	**शरद-पूर्णिमा। श्रीश्रीराधाकृष्णकी शारदीय-रासयात्रा। कार्तिकव्रत, ऊर्जाव्रत, दामोदरव्रत, नियम-सेवा प्रारम्भ। श्रीगौर-पार्षद श्रीमुरारिगुप्तका तिरोभाव। श्रीगौड़ीय वेदान्त समितिके प्रतिष्ठाता श्रील प्रभुपाद-अन्तरङ्ग ॐ विष्णुपाद अष्टोत्तरशतश्री श्रीमद्भक्तिप्रज्ञान केशव गोस्वामी महाराजका ५४वाँ वर्षपूर्त्ति विरह-महोत्सव।**

दामोदर—कार्तिक(कृष्ण-पक्ष)

ई॰ २०२२

श्रीगौराब्द-५३६ एवं विक्रम सम्वत्-२०७९ पूर्णिमान्त मास

पक्ष तिथि	दिनांक मास	वार	व्रत और उत्सव
कृ. ०५	१४ अक्टूबर	शुक्र	श्रील प्रभुपाद-पार्षद श्रीश्रीमद्भक्तिकुशल नारसिंह महाराजका तिरोभाव।
कृ. ०६	१६ अक्टूबर	रवि	श्रील प्रभुपाद-पार्षद श्रीश्रीमद्भक्तिविचार यायावर गोस्वामी महाराजका तिरोभाव।
कृ. ०७	**१७ अक्टूबर**	**सोम**	**श्रील नरोत्तमदास ठाकुरका तिरोभाव।**
कृ. ०८	**१८ अक्टूबर**	**मङ्गल**	**बहुलाष्टमी। श्रीराधाकुण्डकी प्राकट्य तिथि।** श्रीराधाकुण्डमें स्नान-दानादि महोत्सव। **श्रील गदाधर दास ठाकुरका तिरोभाव।** तुला-संक्रान्ति। **सौर कार्तिक-मास आरम्भ।** एक मास तक **आकाशमें दीपदानका आरम्भ** दीपदान मन्त्रः- **दामोदराय नभसि तुलायां लोलया सह। प्रदीपन्ते प्रयच्छामि नमोऽनन्ताय वेधसे।।** (ह.भ.वि.)
कृ. ०९	**१९ अक्टूबर**	**बुध**	**श्रीवीरचन्द्र प्रभुका आविर्भाव।** श्रील प्रभुपाद-पार्षद श्रीश्रीमद्भक्तिरक्षक श्रीधर गोस्वामी महाराजका आविर्भाव।
कृ. ११	**२१ अक्टूबर**	**शुक्र**	**रमा एकादशी व्रतोपवास।** (अगले दिन सूर्योदयके बाद और १०-१० से पहले पारण। द्वादशी—शुक्रवार दिन ३-२९से शनिवार अपराह्न ४-२९ तक; तुलसी चयन निषेध।)
कृ. १२	**२२ अक्टूबर**	**शनि**	**श्रीखण्डवासी श्रील नरहरि सरकार ठाकुरका तिरोभाव।**
कृ. १३	२३ अक्टूबर	रवि	यम-दीपदान।
कृ. १४	२४ अक्टूबर	सोम	यम-चतुर्द्दशी। श्रीविष्णु मन्दिरमें १४ दीपदान।
कृ. १५	**२५ अक्टूबर**	**मङ्गल**	**अमावस्या। दीपावली। श्रीविष्णु मन्दिरमें दीपदान।** खण्डग्रास सूर्यगहण, भारतवर्षमें दृश्य। (ग्रहण आरम्भ दोपहर २-२९ बजे, ग्रहण समाप्ति रात्रि ६-३२ बजे, ग्रहण स्थिति ४ घण्टे ३ मिनट) स्थानीय समय दृष्टव्य।

दामोदर—कार्तिक(शुक्ल-पक्ष) ई॰ २०२२

श्रीगौराब्द-५३६ एवं विक्रम सम्वत्-२०७९ पूर्णिमान्त मास

पक्ष तिथि	दिनांक मास	वार	व्रत और उत्सव
शु. ०१	**२६ अक्टूबर**	**बुध**	**पूर्वाह्नमें गो-पूजा और श्रीगोवर्धन-पूजा। अन्नकूट-महोत्सव।** बलिपूजा। **श्रील रसिकानन्द प्रभुका आविर्भाव।** श्रील प्रभुपाद-पार्षद श्रीश्रीमद्भक्तिकुसुम श्रमण गोस्वामी महाराजका आविर्भाव।
शु. ०२	**२७ अक्टूबर**	**बृह.**	**श्रीगौर-पार्षद श्रील वासुदेव घोषका तिरोभाव। भ्रातृद्वितीया (भैया-दूज), यमद्वितीया।**
शु. ०३	**२८ अक्टूबर**	**शुक्र**	**नित्यलीलाप्रविष्ट ॐ विष्णुपाद अष्टोत्तरशतश्री श्रीमद्भक्तिवेदान्त वामन गोस्वामी महाराज एवं श्रीश्रीमद्भक्तिवेदान्त त्रिविक्रम गोस्वामी महाराजका क्रमशः १८वाँ एवं २०वाँ वार्षिक विरह-महोत्सव।**
शु. ०४	**२९ अक्टूबर**	**शनि**	**श्रील प्रभुपाद-पार्षद इस्कॉन संस्थापक श्रीश्रीमद्भक्तिवेदान्त स्वामी महाराजका तिरोभाव।**
शु. ०५	३० अक्टूबर	रवि	श्रील प्रभुपाद-पार्षद श्रीश्रीमद्भक्तिश्रीरूप सिद्धान्ती गोस्वामी महाराजका आविर्भाव।
शु. ०८	**१ नवम्बर**	**मङ्गल**	**गोपाष्टमी और गोष्ठाष्टमी। श्रील गदाधर दास ठाकुर, श्रील धनञ्जय पण्डित एवं श्रील श्रीनिवासाचार्य प्रभुका तिरोभाव।**
शु. ११	**४ नवम्बर**	**शुक्र**	**उत्थान एकादशी व्रतोपवास। भीष्मपञ्चक आरम्भ। श्रील गौरकिशोर दास बाबाजी महाराजका तिरोभाव।** श्रील प्रभुपाद-पार्षद श्रीश्रीमद्भक्तिदयित माधव गोस्वामी महाराजका आविर्भाव। (अगले दिन सूर्योदयके बाद १०-१३से पहले पारण। द्वादशी—शुक्रवार रात्रि ६-५९से शनिवार सायं ५-३३ तक; तुलसी चयन निषेध।)
शु. १४	७ नवम्बर	सोम	श्रील प्रभुपाद-पार्षद श्रीश्रीमद्भक्तिप्रमोद पुरी गोस्वामी महाराजका तिरोभाव।
शु. ३०	**८ नवम्बर**	**मङ्गल**	**पूर्णिमा। श्रीश्रीराधाकृष्णकी हैमन्तिकी रासयात्रा। चातुर्मास्य-व्रत, कार्तिक-व्रत, दामोदर-व्रत, उर्जाव्रत, नियम-सेवा समाप्त। श्रील भूगर्भ गोस्वामी एवं श्रील काशीश्वर पण्डितका तिरोभाव।** भीष्मपञ्चक समाप्त। पूर्णग्रास चन्द्रग्रहण (भारतवर्षमें दृश्य।) ग्रहण आरम्भ दिन २-३९ बजे, ग्रहण समाप्ति रात्रि ६-१९ बजे। ग्रहण स्थिति ३ घण्टे ४० मिनट) स्थानीय समय दृष्टव्य।

केशव—अग्रहायण(मार्गशीर्ष)

ई॰ २०२२

श्रीगौराब्द-५३६ एवं विक्रम सम्वत्-२०७९ पूर्णिमान्त मास

पक्ष तिथि	दिनांक मास	वार	व्रत और उत्सव
कृ. ०१	**९ नवम्बर**	**बुध**	**श्रीकात्यायनी-व्रत आरम्भ।**
कृ. ०५	१३ नवम्बर	रवि	श्रील प्रभुपाद-पार्षद श्रीश्रीमद्भक्तिविकास हृषीकेश गोस्वामी महाराजका आविर्भाव।
कृ. ०७	१५ नवम्बर	मङ्गल	श्रील प्रभुपाद-पार्षद श्रीश्रीमद्भक्तिसम्बन्ध तुर्याश्रमी गोस्वामी महाराजका तिरोभाव।
कृ. ०९	१७ नवम्बर	बृह.	वृश्चिक-संक्रान्ति। सौर अग्रहायण-मास आरम्भ। **आकाशमें दीपदानकी समाप्ति।**
कृ. ११	**२० नवम्बर**	**रवि**	**उत्पन्ना एकादशी व्रतोपवास।** (अगले दिन सूर्योदयके बाद और ७-३२ से पहले पारण। द्वादशी—रविवार प्रातः ७-३३से सोमवार प्रातः ७-३२ तक; तुलसी चयन निषेध।)
कृ. १३	**२२ नवम्बर**	**मङ्गल**	**श्रीगौर-पार्षद श्रील सारङ्ग ठाकुरका तिरोभाव**
कृ. १५	२३ नवम्बर	बुध	अमावस्या।
शु. ०३	२६ नवम्बर	शनि	श्रील प्रभुपाद-पार्षद श्रीश्रीमद्भक्तिजीवन जनार्दन गोस्वामी महाराजका तिरोभाव।
शु. ०८	१ दिसम्बर	बृह.	श्रील प्रभुपाद-पार्षद श्रीश्रीमद्भक्तिजीवन जनार्दन गोस्वामी महाराजका आविर्भाव।
शु. ०९	२ दिसम्बर	शुक्र	श्रील प्रभुपाद-पार्षद श्रीश्रीमद्भक्तिकमल मधुसूदन गोस्वामी महाराजका आविर्भाव।
शु. ११ + १२	**४ दिसम्बर**	**रवि**	**त्रिस्पृशा महाद्वादशी व्रतोपवास। गीता-जयन्ती।** श्रील प्रभुपाद-पार्षद श्रीश्रीमद्भक्तिकुसुम श्रमण गोस्वामी महाराजका तिरोभाव। (अगले दिन सूर्योदयके बाद और १०-२५से पहले पारण। द्वादशी—रविवार प्रातः ७-२७से सोमवार प्रातः ६-५५ तक; तुलसी चयन निषेध।)
शु. ३०	**८ दिसम्बर**	**बृह.**	**पूर्णिमा। श्रीकात्यायनी-व्रत समाप्त।**

नारायण—पौष

ई॰ २०२२-२३

श्रीगौराब्द-५३६ एवं विक्रम सम्वत्-२०७९ पूर्णिमान्त मास

पक्ष तिथि	दिनांक मास	वार	व्रत और उत्सव
कृ. ०४	**१२ दिसम्बर**	**सोम**	**जगद्गुरु ॐ विष्णुपाद अष्टोत्तरशतश्री श्रीमद्भक्तिसिद्धान्त सरस्वती गोस्वामी ठाकुर प्रभुपादका ८५वाँ विरह-महोत्सव।**
कृ. ०८	१६ दिसम्बर	शुक्र	धनु-संक्रान्ति। सौर पौष-मास आरम्भ।
कृ. ०९	**१७ दिसम्बर**	**शनि**	**नित्यलीलाप्रविष्ट ॐ विष्णुपाद अष्टोत्तरशतश्री श्रीमद्भक्तिवेदान्त वामन गोस्वामी महाराजकी १०१वीं आविर्भाव-तिथि-श्रीव्यासपूजा। परमाराध्यतम श्रील गुरुदेव नित्यलीलाप्रविष्ट ॐ विष्णुपाद अष्टोत्तरशतश्री श्रीमद्भक्तिवेदान्त नारायण गोस्वामी महाराजका द्वादश-वर्षपूर्त्ति विरह-महोत्सव।**
कृ. ११	**१९ दिसम्बर**	**सोम**	**सफला एकादशी व्रतोपवास।** (अगले दिन सूर्योदयके बाद और १०-३०से पहले पारण। द्वादशी—सोमवार रात्रि १०-२०से मङ्गलवार रात्रि ९-२१ तक; तुलसी चयन निषेध।)
कृ. १२	**२० दिसम्बर**	**मङ्गल**	**श्रीदेवानन्द पण्डितका तिरोभाव।** श्रील प्रभुपाद-पार्षद श्रीश्रीमद्भक्तिभूदेव श्रौती गोस्वामी महाराजका तिरोभाव।
कृ. १३	**२१ दिसम्बर**	**बुध**	**श्रील महेश पण्डित एवं श्रील उद्धारण दत्त ठाकुरका तिरोभाव।**
कृ. १५	२३ दिसम्बर	शुक्र	अमावस्या।
शु. ०३	**२६ दिसम्बर**	**सोम**	**श्रील जीव गोस्वामी प्रभुका तिरोभाव।**
शु. ११	**२ जनवरी**	**सोम**	**पुत्रदा एकादशी व्रतोपवास।** (अगले दिन सूर्योदयके बाद और १०-३८ से पहले पारण। द्वादशी—सोमवार रात्रि १०-३२से मङ्गलवार रात्रि ११-०६ तक; तुलसी चयन निषेध।)
शु. १२	**३ जनवरी**	**मङ्गल**	**श्रील जगदीश पण्डितका तिरोभाव**
शु. १३	४ जनवरी	बुध	श्रील प्रभुपाद-पार्षद श्रीश्रीमद्भक्तिकुमुद सन्त गोस्वामी महाराजका तिरोभाव।
शु. ३०	**६ जनवरी**	**शुक्र**	**पूर्णिमा। श्रीकृष्णकी पुष्याभिषेक यात्रा।**

माधव—माघ(कृष्ण-पक्ष)

ई॰ २०२३

श्रीगौराब्द-५३६ एवं विक्रम सम्वत्-२०७९ पूर्णिमान्त मास

पक्ष तिथि	दिनांक मास	वार	व्रत और उत्सव
कृ. ०३	१० जनवरी	मङ्गल	**श्रील गोपाल भट्ट गोस्वामीका आविर्भाव। श्रील रामचन्द्र कविराज गोस्वामीका तिरोभाव।**
कृ. ०५	१२ जनवरी	बृह.	**श्रील प्रभुपाद-पार्षद श्रील नरहरि सेवाविग्रह प्रभुका तिरोभाव।** श्रीश्रीमद्भक्तिवैभव पुरी गोस्वामी महाराजका आविर्भाव।
कृ. ०६	१३ जनवरी	शुक्र	**श्रील जयदेव गोस्वामीका आविर्भाव।**
कृ. ०८	१५ जनवरी	रवि	**मकर-संक्रान्ति। सौर माघ-मास आरम्भ। गंगासागर-स्नान**
कृ. ०९	१६ जनवरी	सोम	**श्रील लोचनदास ठाकुरका तिरोभाव।**
कृ. ११	१८ जनवरी	बुध	**षट्तिला एकादशी व्रतोपवास।** (अगले दिन सूर्योदयके बाद और ९-४२ से पहले पारण। द्वादशी—बुधवार दिन ११-२७ से बृहस्पतिवार दिन ९-४२ तक; तुलसी चयन निषेध।)
कृ. १२	१९ जनवरी	बृह.	**श्रीश्रीमद्भक्तिवेदान्त त्रिविक्रम गोस्वामी महाराजका आविर्भाव।**
कृ. १५	२१ जनवरी	शनि	**मौनी-अमावस्या। परमाराध्यतम श्रील गुरुदेव नित्यलीलाप्रविष्ट ॐ विष्णुपाद अष्टोत्तरशतश्री श्रीमद्भक्तिवेदान्त नारायण गोस्वामी महाराजकी १०२वीं आविर्भाव-तिथिपूजा। श्रीव्यासपूजा-महोत्सव।**

श्रीतुलसी-देवीकी किञ्चित् महिमा

(श्रीहरिभक्तिविलाससे उद्धृत)

तुलसी-रहितां पूजां न गृह्णाति सदा हरिः।
काष्ठं वा स्पर्शयेत्तत्र न चेत्तन्नामतो यजेत्॥ (७/२६३)

श्रीहरि कदापि तुलसीको छोड़कर पूजा ग्रहण नहीं करते हैं। यदि तुलसी-पत्र उपलब्ध न हो तो तुलसीकी काष्ठ (लकड़ी) का उपयोग करें। उसका भी अभाव होनेपर तुलसी-नामका उच्चारण कर पूजा करें।

शिरसि क्रियते यैस्तु तुलसी-मूल-मृत्तिका।
विघ्नानि तस्य नश्यन्ति सानुकुला ग्रहास्तथा॥ (९/१८५)

जो तुलसी-पौधेके मूलकी मिट्टी मस्तकपर धारण करते हैं, उनके सब प्रकारके विघ्न विनष्ट हो जाते हैं और ग्रह अनुकूल हो जाते हैं।

तुलसी-मृत्तिका-लिप्तो यदि प्राणान् परित्यजेत्।
यमेन नेक्षितुं शक्तो युक्तः पापशतैरपि॥ (९/१८४)

यदि प्राण त्यागते समय तुलसीके मूलकी मिट्टीके द्वारा शरीर लिप्त रहता है, तो सैंकड़ों-सैंकड़ों पापयुक्त होनेपर भी यमराज उस व्यक्तिके प्रति दृष्टिपात करनेमें समर्थ नहीं होते।

माधव—माघ(शुक्ल-पक्ष)

ई॰ २०२३

श्रीगौराब्द-५३६ एवं विक्रम सम्वत्-२०७९ पूर्णिमान्त मास

पक्ष तिथि	दिनांक मास	वार	व्रत और उत्सव
शु. ०५	२६ जनवरी	बृह.	**श्रीकृष्णकी वसन्त-पञ्चमी। श्रीगौरशक्ति श्रीविष्णुप्रियादेवी, श्रीपुण्डरीक विद्यानिधि, श्रील रघुनाथ दास गोस्वामी और श्रील रघुनन्दन ठाकुरका आविर्भाव। श्रील विश्वनाथ चक्रवर्त्ती ठाकुर** और श्रील प्रभुपाद-पार्षद श्रीश्रीमद्भक्तिविवेक भारती गोस्वामी महाराजका तिरोभाव। श्रीसरस्वती पूजा।
शु. ०७	२८ जनवरी	शनि	**महाविष्णुके अवतार श्रीअद्वैताचार्य प्रभुके आविर्भावके उपलक्ष्यमें व्रतोपवास।** माकरी सप्तमी (अगले दिन सूर्योदयके बाद और १०-४२ से पहले पारण।)
शु. ०९	३० जनवरी	सोम	**जगद्गुरु श्रील मध्वाचार्यका तिरोभाव।**
शु. १०	३१ जनवरी	मङ्गल	**जगद्गुरु श्रील रामानुजाचार्यका तिरोभाव।**
शु. ११	१ फरवरी	बुध	**जया या भैमी एकादशी व्रतोपवास।** **श्रील केशव भारतीका आविर्भाव।** (अगले दिन श्रीवराहदेवके अर्चनके उपरान्त सूर्योदयके बाद १०-४२से पहले पारण। द्वादशी—बुधवार दोपहर ३-४७से बृहस्पतिवार अपराह्न ४-५६ तक; तुलसी चयन निषेध।)
शु. १२	२ फरवरी	बृह.	**श्रीवराह द्वादशी। श्रीवराहदेवका आविर्भाव।**
शु. १३	३ फरवरी	शुक्र	**श्रीनित्यानन्द त्रयोदशी व्रतोपवास, श्रीनित्यानन्द प्रभुका आविर्भाव।** (अगले दिन सूर्योदयके बाद और १०-४०से पहले पारण।)
शु. ३०	५ फरवरी	रवि	**माघी-पूर्णिमा। श्रीकृष्णका मधुरोत्सव। श्रील नरोत्तमदास ठाकुरका आविर्भाव।**

गोविन्द—फाल्गुन

ई॰ २०२३

श्रीगौराब्द-५३६ एवं विक्रम सम्वत्-२०७९ पूर्णिमान्त मास

पक्ष तिथि	दिनांक मास	वार	व्रत और उत्सव
कृ. ०३	८ फरवरी	बुध	**श्रीगौड़ीय वेदान्त समितिके प्रतिष्ठाता-नियामक श्रील प्रभुपाद-अन्तरङ्ग नित्यलीलाप्रविष्ट ॐ विष्णुपाद अष्टोत्तरशतश्री श्रीमद्भक्तिप्रज्ञान केशव गोस्वामी महाराजकी १२५वीं आविर्भाव-तिथिपूजा।**
कृ. ०५	१० फरवरी	शुक्र	**जगद्गुरु ॐ विष्णुपाद परमहंस अष्टोत्तरशतश्री श्रीमद्भक्तिसिद्धान्त सरस्वती गोस्वामी ठाकुर प्रभुपादकी १४९वीं आविर्भाव-तिथिपूजा।** श्रील प्रभुपाद-पार्षद श्रीश्रीमद्भक्तिभूदेव श्रौती गोस्वामी महाराजका आविर्भाव। श्रीश्रीमद्गौरगोविन्द महाराजका तिरोभाव।
कृ. ०६	११ फरवरी	शनि	श्रील प्रभुपाद-पार्षद श्रीश्रीमद्भक्तिसारङ्ग गोस्वामी महाराजका आविर्भाव।
कृ. ०८	१३ फरवरी	सोम	कुम्भ-संक्रान्ति। सौर फाल्गुन-मास आरम्भ।
कृ. ११	१६ फरवरी	बृह.	**विजया एकादशी व्रतोपवास।** (अगले दिन सूर्योदयके बाद और १०-४० से पहले पारण। द्वादशी—बृहस्पतिवार रात्रि १०-४२ से शुक्रवार रात्रि ८-२७ तक; तुलसी चयन निषेध।)
कृ. १४	१९ फरवरी	रवि	**शिव-चतुर्दशी, श्रीशिवरात्रि व्रत।** (अगले दिन सूर्योदयके बाद और १०-३५ से पहले पारण।)
कृ. १५	२० फरवरी	सोम	अमावस्या।
शु. ०१	२१ फरवरी	मङ्गल	**श्रील रसिकानन्द प्रभु, श्रील जगन्नाथदास बाबाजी महाराज** और श्रील प्रभुपाद-पार्षद श्रीश्रीमद्भक्तिदयित माधव गोस्वामी महाराजका तिरोभाव।
शु. ०९	१ मार्च	बुध	**श्रीनवद्वीप-धाम परिक्रमाका संकल्प ग्रहण।** (परिक्रमा-काल २ मार्च से ६ मार्च तक)
शु. ११	३ मार्च	शुक्र	**आमलकी एकादशी व्रतोपवास।** (अगले दिन सूर्योदयके बाद और ९-५४ से पहले पारण। द्वादशी—शुक्रवार दिन १०-०८ से शनिवार दिन १२-१४ तक; तुलसी चयन निषेध।)
शु. १२	४ मार्च	शनि	**श्रील माधवेन्द्र पुरी गोस्वामी और श्रील हृदयानन्द गोस्वामीका तिरोभाव।**
शु. ३०	७ मार्च	मङ्गल	**श्रीगौर-पूर्णिमा, श्रीगौराङ्ग महाप्रभुका शुभ-आविर्भाव, श्रीगौर-जयन्तीका व्रतोपवास, महाभिषेक एवं संकीर्तन-महोत्सव।** होली। (अगले दिन सूर्योदयके बाद और ९-५२ से पहले पारण।)
			श्रीगौराब्द—५३६ समाप्त

विष्णु—चैत्र

ई॰ २०२३

श्रीगौराब्द-५३७ एवं विक्रम सम्वत्-२०८० पूर्णिमान्त मास

पक्ष तिथि	दिनांक मास	वार	व्रत और उत्सव
कृ. ०१	**८ मार्च**	**बुध**	**पूर्णिमान्त श्रीगौराब्द-५३७ एवं विक्रम सम्वत्-२०८० वर्ष आरम्भ।**
कृ. ०८	**१५ मार्च**	**बुध**	**श्रील श्रीवास पण्डितका आविर्भाव।** मीन-संक्रान्ति। सौर चैत्र-मास आरम्भ।
कृ. १२	**१८ मार्च**	**शनि**	**त्रिस्पृशा महाद्वादशी व्रतोपवास।** (अगले दिन सूर्योदयके बाद ८-०७ से पहले पारण। द्वादशी—शनिवार दिन ८-२१से रविवार प्रातः ५-५७ तक; तुलसी चयन निषेध।)
कृ. १३	**१९ मार्च**	**रवि**	**श्रीगोविन्द घोष ठाकुरका तिरोभाव।** (द्वादशी विद्धा हेतु)
कृ. १५	२१ मार्च	मङ्गल	अमावस्या। अमान्त विक्रम सम्वत् २०७९ समाप्त।
शु. ०१	२२ मार्च	बुध	अमान्त **विक्रम सम्वत् २०८० चान्द्रवर्ष आरम्भ।**
शु. ०५	**२६ मार्च**	**रवि**	**श्रील रामानुजाचार्यका आविर्भाव।** श्रील प्रभुपाद-पार्षद श्रीश्रीमद्भक्तिहृदय वन गोस्वामी महाराजका आविर्भाव।
शु. ०७	२८ मार्च	मङ्गल	श्रील प्रभुपाद-पार्षद श्रीश्रीमद्भक्तिविलास तीर्थ गोस्वामी महाराजका आविर्भाव।
शु. ०९	**३० मार्च**	**बृह.**	**श्रीरामनवमी व्रतोपवास।** श्रीश्रीमद्भक्तिवल्लभ तीर्थ गोस्वामी महाराजका आविर्भाव। (अगले दिन सूर्योदयके बाद और १०-१० से पहले पारण)
शु. १२	**२ अप्रैल**	**रवि**	**व्यञ्जुली महाद्वादशी व्रतोपवास।** श्रीकृष्णका दमनकरोपण उत्सव। (अगले दिन सूर्योदयके बाद और ६-१५से पहले पारण। द्वादशी—शनिवार अन्तिम रात्रि ४-२०से सोमवार प्रातः ६-१५तक; तुलसी चयन निषेध।) जिन-जिन स्थानोंपर ३ अप्रैलको प्रातः ६-१५के बाद सूर्योदय होगा, वहाँ १ अप्रैलको **कामदा एकादशी व्रत**का पालन होगा और २ अप्रैलको दिन १०-४७के बाद पारण होगा।
शु. ३०	**६ अप्रैल**	**बृह.**	**पूर्णिमा। श्रीबलदेव प्रभुकी रासयात्रा, श्रीकृष्णकी वसन्त रासयात्रा। श्रील वंशीवदनानन्द गोस्वामी और श्रील श्यामानन्द प्रभुका आविर्भाव।**